



श्री शत्रुंजय - मुक्ति सम्यग्ज्ञान अभ्यासक्रम

द्वितीय वर्ष - अभ्यास - २

प्रश्न - पत्र

जुलाई-२०१९
गुणांक - १००

सूचना : १. नाम और एनरोलमेंट नंबर बिना का पेपर रह किया जायेगा । २. लाल स्याही के पेन का उपयोग न करें । ३. समझ में न आये ऐसे अक्षरों वाले जवाब पत्र जांचे नहीं जायेंगे । ४. जवाब पत्र में ही योग्य खाने में जवाब लिखना है, साथ में दूसरा पेपर जोड़ना नहीं है, जोड़ने पर तीन मार्क्स काट लिये जायेंगे । ५. जवाब पत्र हर महिने की ता. २५ तक भेजना जरूरी है, आगे-पीछे आए पेपर जांचे नहीं जायेंगे । ६. सभी जवाब अभ्यासक्रम के आधार पर ही लिखना है । ७. जिस महिने का प्रश्न पत्र है, उसके बाद के महिने की २५ ता. को आपके मार्क्स तथा सही उत्तर इन्टरनेट पर दे दिये जायेंगे, उसके बाद आए हुये उत्तर पत्र स्वीकृत नहीं होंगे तथा फोन पर जवाब नहीं दिया जायेगा । ८. उत्तर पत्र में अभ्यासक्रम का नंबर लिखना जरूरी है ।

प्रश्न नं. १ रिक्त स्थान की पूर्ति करो -

२०

१. जैन श्रावक को स्वीकारने वाला होता है ।
२. ज्ञान एवं दर्शन का जो उपयोग वो कहलाता है ।
३. श्री नमिनाथ और नेमिनाथ प्रभु के अन्तर में श्री नंदिषेणजी नाम के महामुनि के लिये पधार ।
४. एक शेर के मुँह से "नमो अरिहंताणं" यह पद सुना और उसे हुआ ।
५. देवालय शाखा पर है ।
६. कुछ सुगंध आ रही है ऐसा अव्यक्त ज्ञान वह ।
७. गौतम स्वामी आयुष्य धारण करने वाले थे ।
८. श्रावक से तो की दया पाली नहीं जा सकती ।
९. भाष्य अथवा वाचिक जाप से भी का फल अनेक गुना है ।
१०. शांब और प्रद्युम्न कुमार इस गिरिराज के शिखर पर सिद्ध पद को प्राप्त किया ।
११. शिखरी पर्वत तथा हिरण्यवंत क्षेत्र के साथ है ।
१२. कर्मों के उपन्यास क्रम में पर वेदनीय कर्म रखा गया है ।
१३. मैं को भूखा रखूंगा नहीं ।
१४. यदि मैं किसी से इन्हें भी जीत जाऊं तो मैं त्रिलोक में अद्वितीय विद्वान माना जाऊंगा ।
१५. भरत ऐरावत क्षेत्र में श्रुत ज्ञान है ।
१६. जो सबेरे नवकार मंत्र का स्मरण करते यथा समय न हो उसके बुद्धि, ऋद्धि और आयुष्य की हानि होती है ।
१७. सुनकर जो जाने वह है ।
१८. साधु को संपूर्ण की जीवदया है ।
१९. अजितनाथ, शान्तिनाथ का उपमा रहित है ।
२०. अर्थावग्रह, इहा, अपाय, धारणा की अपेक्षा से छः छः प्रकार के होते हैं ।

प्रश्न नं. २ एक शब्द में जवाब लिखो -

१५

१. मंत्राक्षर किससे परिपूर्ण होते हैं ?
२. जीवों को जोरदार प्रहार कर घायल करने से कौन सा अतिचार लगता है ?
३. कौनसी यात्रा के मार्ग में अजितनाथ शान्तिनाथ की देरीयां आती हैं ?
४. जंबुवृक्ष पर रहने के निवास स्थान कहां है ?
५. प्रभु ने इन्द्रभूति को कैसी वाणी से बुलाया ?
६. महाविदेह क्षेत्र में कैसा श्रुत ज्ञान है ?
७. आर्तध्यान में लयलीन मन जाप द्वारा किसमें जुड़ जाता है ?
८. "मैं बिना छाने पानी का उपयोग नहीं करूंगा" ऐसा नियम कौन से व्रत पालन में आता है ?
९. इन्द्रभूति के संशयानुसार पाँच भूतों से उत्पन्न हुआ आत्मा किसमें नाश पाता है ?
१०. अजित-शान्ति स्तव की रचना कहाँ हुई है ?
११. आंख के इशारे से होते बोध को क्या कहते हैं ?
१२. साधक को ध्यान मार्ग में प्रवेश करवाने का सामर्थ्य कौन रखता है ?
१३. जंबुद्वीप के सोलह खंड किस क्षेत्र में आते हैं ?
१४. किसका अनुभव होता है तब जीव को रति-अरति, राग द्वेष आदि होता है ?
१५. श्रावक को कौन से पाँच बड़े झूठ बोलने का नियम होता है ?

प्रश्न नं. ३ नीचे दिये गये शब्दों के अर्थ लिखो -

१०

- १) निसिद्धे २) तत्त्व ३) कितणं ४) सपडिवक्खा ५) दोवि ६) अत्थुग्गह ७) परकलत्तेषु ८) वंजण-वग्गह
- ९) गय १०) अहवा ११) हेमवई १२) ववगय १३) पंगुलाः १४) भत्त १५) साइअ १६) तव
- १७) धिई १८) छ-हा १९) वीयपासेवि २०) माणसेहिं

प्रश्न नं. ४ जोड़ियाँ लगाओ (सिर्फ 'B' के नंबर लिखो) -

A	B
१) अभव्य	१) ध्वनि
२) चंद्र	२) दिशा
३) प्रासाद	३) पोरा
४) परिग्रह	४) अर्थावग्रह
५) शिवकुमार	५) पाप निवृत्त
६) अव्यक्तज्ञान	६) नवविध
७) द्वीइन्द्रिय	७) अमृत
८) आसन	८) अनादि अपर्यवसित
९) समुद्रमंथन	९) पूर्व शाखा
१०) शांतिनाथ	१०) उत्तर साधक

प्रश्न नं. ५ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संख्या में लिखो -

१०

१. प्रतिपक्ष भेदों के बिना श्रुतज्ञान के भेद कितने ?
२. छकाय की विराधना से श्रावक की कितनी विश्वा दया कम हो जाती है ?
३. अभ्यासक्रम में अंगुली आवर्त जाप के कितने प्रकार बताये गये हैं ?
४. गौतमस्वामी कितनावे वर्ष में सर्वज्ञ बने ?
५. तीसरे भव में मोक्ष प्राप्त करने के लिये कितने नवकार गिनना चाहिये ?
६. हिमवंत क्षेत्र के खंडों का विस्तार कितने योजन है ?
७. मतिज्ञान के भेदों में मन द्वारा होने वाले ज्ञान के भेद कितने ?
८. मंत्रजाप के लिये कितने प्रकार के आसन में बैठना चाहिये ?
९. गिरिराज पर कृष्ण वासुदेव के पुत्रों ने कितने मुनिओं के साथ सिद्धपद पाया ?
१०. जंबुवृक्ष की ऊँचाई कितनी है ?

प्रश्न नं. ६ नीचे के वाक्य सही (✓) हैं या गलत (×) बताओ -

१०

१. तुम्हें यदि सदगति पाना हो तो परपीडाओं में अपंग बनो ।
२. अजित शांति स्तव की रचना श्री नंदिघोषजी महामुनि ने तीर्थाधिराज पर की ।
३. अठारह प्रकार की लिपी और अक्षर के आकार संज्ञाक्षर जानना ।
४. यदि ये मेरे मन के संदेह को जाने तो मैं इन्हें सच्चा सर्वज्ञ मानुं ।
५. यह वृक्ष है या कोई मनुष्य ? ऐसी विचारणा वह चक्षुरिन्द्रिय अपाय ।
६. जंबुवृक्ष की क डाली चार योजन की है ।
७. समकित प्राप्ति के बाद के जो व्रत उन्हें अणुव्रत कहा जाता है ।
८. जिन्होंने जीव अजीव के भावों को देखा है, ऐसे इन दोनों प्रभु की मैं स्तवना करता हूँ ।
९. मानस जाप से मन की एकाग्रता में अद्वितीय वृद्धि होती है ।
१०. उच्च-नीच गोत्र के उदय के कारण दान-लाभादि का उदय या विनाश होता है ।

प्रश्न नं. ७ नीचे के वाक्य किस पृष्ठ पर है वह पृष्ठ नंबर लिखो -

१०

१. अशुभ कर्म का प्रवाह रुक जाता है और आत्मा ज्यादा से ज्यादा निर्मलता प्राप्त करता है ।
२. जगत के गुरु और शांति तथा ज्ञानादि गुणों के कर्ता इन दोनों जिनेश्वरों को मैं प्रणाम करता हूँ ।
३. दुर्व्यसनो से शिवकुमार ने सब धन खो दिया और वह निर्धन बन गया ।
४. किसी भी अपराध बिना के त्रस जीव को मार डालने की बुद्धि से नहीं मारना ।
५. यह गुलाब की सुगंध है या केवडे की ।
६. उनके पास किस तरह जाकर खड़ा रहूंगा ।
७. प्रातः उठने में विलंब हो जाय अतः कई कामों में कटौती करनी पड़ती है ।
८. दया धर्म का मूल है इसलिये तो सदगति के इच्छुक साधक हिंसा से सदा भयभीत रहते हैं ।
९. सुनकर जो जाने वह श्रुतज्ञान है ।
१०. जंघाचारण लब्धि वगैरह अनेक लब्धियाँ उनके पास थी ।

प्रश्न नं. ८ अपनी भाषा में समझाओ -

१५

१. श्रावक की दया सवा विश्वा किस तरह से ? २) सादि-अनादि तथा सपर्यवसित - अपर्यवसित श्रुत द्रव्य और भाव इन दो भेदों से समझाओ ? ३) नमस्कार महायंत्र के स्मरण का प्रभाव समझाओ ?
४. भरत क्षेत्र के साथ जुड़े हुए प्रदेशों का विस्तार समझाओ ५) गौतम स्वामी का संक्षिप्त जीवन चरित्र ।

उत्तर पत्र लिखे पते पर भेजिए : सौ. काश्मीरा विनोद लोडाया

शाह गोविन्दजी वीरम फेक्टरी कम्पाउन्ड, मोंढा रोड, औरंगाबाद (महा.) ४३१ ००१

सही परिणाम और सही जवाब के लिये वेब साईट www.achalgach.com